

1st पद

हरि आप हरो जन री भीर।  
द्रोपदी री लाज राखी , आप बढ़ायो चीर।  
भगत कारण रूप नरहरि , धरयो आप सरीर।  
बूढ़तो गजराज राख्यो , काटी कुञ्जर पीर।  
दासी मीराँ लाल गिरधर , हरो म्हारी भीर।।



The poetess of this verse is Meera. In this, the poetess is showing the devotional love of Lord Shri Krishna and is pleading for protection of herself.

In this verse, the poetess Meera, describing the devotee-love of Lord Krishna, says that you are the destroyer of all kinds of sorrows of your devotees, that is, the destroyer of sorrows. That is why she is remembering those forms of Hari, wearing which she protected her devotees. Here Meera is saying that the Lord definitely comes to remove the sufferings of His devotees.



Meera gives an example and says that the way you saved the honor of Draupadi and went on increasing the clothes of the sari, the way you took the body of Narasimha to save your devotee Prahlad and the way you took the form of Lord Indra, the king of elephants.

The vehicle Airavat had saved the elephant from the clutches of the crocodile. In the same way, Shri Krishna take away all the sorrows of this maidservant(Meerabai),destroy all the difficulties and sorrows.



Explanation in simple hindi: मीरा कहती हैं कि जिस तरह आपने द्रोपदी की इज्जत को बचाया और साडी के कपडे को बढ़ाते चले गए ,जिस तरह आपने अपने भक्त प्रह्लाद को बचाने के लिए नरसिंह का शरीर धारण कर लिया और जिस तरह आपने हाथियों के राजा भगवान इंद्र के वाहन ऐरावत हाथी को मगरमच्छ के चंगुल से बचाया था ,हे ! श्री कृष्ण उसी तरह अपनी इस दासी अर्थात भक्त के भी सारे दुःख हर लो अर्थात सभी दुखों का नाश कर दो।

2nd पद



स्याम म्हाने चाकर राखो जी,  
गिरधारी लाला म्हँने चाकर  
राखोजी।  
चाकर रहस्युँ बाग लगास्युँ नित उठ  
दरसण पास्युँ।  
बिन्दरावन री कुंज गली में , गोविन्द  
लीला गास्युँ।  
चाकरी में दरसन पास्युँ, सुमरन  
पास्युँ खरची।  
भाव भगती जागीरी पास्युँ, तीनुं  
बाताँ सरसी।  
मोर मुगट पीताम्बर सौहे , गल  
वैजन्ती माला।  
बिन्दरावन में धेनु चरावे , मोहन  
मुरली वाला।  
ऊँचा ऊँचा महल बनावँ बिच बिच  
राखुँ बारी।  
साँवरिया रा दरसण पास्युँ ,पहर  
कुसुम्बी साडी।  
आधी रात प्रभु दरसण ,दीज्यो  
जमनाजी रे तीरा।  
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर , हिवड़ो  
घणो अधीरा।

The poetess of this post is Meera. In this verse, the poetess Meera is describing her love for Shri Krishna and how anxious she is to see Shri Krishna.

In this verse, the poetess Meera, exposing her devotion towards Shri Krishna, says that O! Keep me Shri Krishna as your servant, that is, Meera wants to be close to Shri Krishna by any means, even if she remains as a servant. Fallen. Meera says that as a servant, I will plant a garden so that I can get up in the morning to have darshan of you every day. Meera says that in the narrow streets of Vrindavan I will narrate the pastimes of my master. Meera believes that by becoming a servant, she will have three benefits, first - she will always get the darshan of Krishna, second - she will not be reminded of her beloved and third - her kingdom of Bhava Bhakti will continue to grow.

In simple Hindi: जब वे नौकर बनकर सुबह-सुबह बागबानी करेगी, तो इसी बहाने उन्हें कृष्ण के दर्शन हो जाएँगे। वृंदावन की तंग गलियों में वे गोविंद की लीला गाते हुए फिरेंगी। इस नौकरी में उन्हें वो सबकुछ मिलेगा, जिसकी उन्हें जन्मों से चाहती थी। उन्हें खर्च करने के लिए श्री कृष्ण के दर्शन एवं स्मरण मिलेंगे तथा उन्हें भाव एवं भक्ति की ऐसी जागीर मिलेगी, जो सदा उनके पास ही रह जाएगी। मीरा का मानना है कि नौकर बनकर उन्हें तीन फायदे होंगे पहला - उन्हें हमेशा कृष्ण के दर्शन प्राप्त होंगे, दूसरा- उन्हें अपने प्रिय की याद नहीं सताएगी और तीसरा- उनकी भाव भक्ति का साम्राज्य बढ़ता ही जायेगा।

Describing the form of Shri Krishna, Meera says that she is wearing yellow clothes, a crown of peacock feathers is seated on her head and she is wearing a garland of Vajjanti flowers around her neck. When he plays Mohan's murli while grazing a cow in Vrindavan, everyone's heart is captivated.



Meera says that I will build a high palace in the middle of the gardens and wear a Kusumbi sari to see my beloved, that is, I will make up for the darshan of Shri Krishna. Meera says that O my lord Girdhar Swami, my mind is so restless for your darshan that it cannot wait for the morning. Meera wants Shri Krishna to give her darshan on the banks of river Jamuna only at midnight.

In simple Hindi: मीरा कहती है कि मैं बगीचों के बिच ही ऊँचे ऊँचे महल बनाउंगी और कुसुम्बी साड़ी पहन कर अपने प्रिय के दर्शन करूँगी अर्थात श्री कृष्ण के दर्शन के लिए साज श्रृंगार करूँगी मीरा कहती है कि हे! मेरे प्रभु गिरधर स्वामी मेरा मन आपके दर्शन के लिए इतना बेचैन है कि वह सुबह का इन्तजार नहीं कर सकता। मीरा चाहती है की श्री कृष्ण आधी रात को ही जमुना नदी के किनारे उसे दर्शन दे दें।

\*\*\*\*\*